हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 1 दिसंबर 2025, समय 1305 (05 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि संसद का शीतकालीन सत्र केवल एक परम्परा ही नहीं बल्कि यह भारत को विकास की ओर ले जाने के प्रयासों को बल देता है।

प्रधानमंत्री ने सभी दलों से आग्रह किया कि शीतकालीन सत्र हार से पैदा हुई हताशा का युद्धक्षेत्र न बने और न ही जीत से पैदा हुए अहंकार का अखाड़ा बने। उन्होंने कहा कि राजनीति में नकारात्मकता की कुछ उपयोगिता हो सकती है, लेकिन अंततः राष्ट्र निर्माण के लिए सकारात्मक सोच की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वरिष्ठ सांसदों को युवा सांसदों की नई पीढ़ी को अवसर देना चाहिए।

****

आज गीता जयंती मनाई जा रही है। यह दिन उस पल की याद दिलाता है जब भगवान श्री कृष्ण ने पांच हजार वर्ष से भी पहले कुरुक्षेत्र के रण में अर्जुन को भगवद गीता का कालजयी उपदेश दिया था। गीता जयंती सिर्फ़ धार्मिक अनुष्ठान का दिन नहीं है, बल्कि यह भगवान कृष्ण द्वारा दिए गए सार्वभौमिक ज्ञान की याद दिलाता है, जो लाखों लोगों को उनके आध्यात्मिक और दैनिक जीवन में मार्गदर्शन प्रदान करता है। भगवद गीता की शिक्षाएँ समय से परे हैं, और जीवन, कर्तव्य और अस्तित्व की प्रकृति के बारे में सबसे मूलभूत प्रश्नों का उत्तर भी हैं। गीता जयंती का उत्सव भक्तों के लिए भगवद गीता की शिक्षाओं पर विचार करने और उन्हें अपने जीवन में शामिल करने का समय है।

कल आकाशवाणी पर अपने मन की बात कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवद गीता में बढ़ती वैश्विक रुचि पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने कहा कि यह देखकर वे बहुत प्रभावित हैं कि कैसे

दुनिया भर के लोग गीता से प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूरोप और मध्य एशिया सहित दुनिया भर के कई देशों के लोगों ने हाल ही में हरियाणा के कुरुक्षेत्र में हुए अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में हिस्सा लिया।

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज गीता जयंती के अवसर पर गीता स्थली ज्योतिसर में पवित्र ग्रंथ गीता का पूजन किया और हवन यज्ञ में आहुति डाली। इस मौके पर उनके साथ पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, भाजपा के जिला अध्यक्ष तिजेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

बाद में मुख्यमंत्री, योग गुरु स्वामी रामदेव गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद के साथ केशव पार्क में वैश्विक गीता पाठ में शामिल हुए। केशव पार्क में देश विदेश के 21000 बच्चों ने एक साथ वैश्विक गीता पाठ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा

2- सी एम -32 सेकंड

मुख्यमंत्री 48 कोस सम्मेलन, सन्नहित सरोवर पर दीप उत्सव और ब्रह्मसरोवर पर महाआरती में भी भाग लेंगे।

****

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव **2025** में कल आयोजित अखिल भारतीय देवस्थानम सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह "वेदों की भूमि" कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर खड़े होकर अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पवित्र स्थान हजारों वर्षों से इस स्थान के रूप में पूजनीय है जहाँ भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को भगवद् गीता का दिव्य ज्ञान प्रदान किया था। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र हमेशा याद दिलाता है कि धर्म अंततः अधर्म पर विजय प्राप्त करता है, चाहे अधर्म कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो।

उपराष्ट्रपति ने भगवद् गीता को एक धार्मिक ग्रंथ से कहीं अधिक "धार्मिक जीवन, साहसी कार्य और प्रबुद्ध चेतना के लिए एक सार्वभौमिक ग्रंथ" बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धर्म द्वारा निर्देशित अपने कर्म पर ध्यान केंद्रित करने का भगवान कृष्ण का आह्वान, एक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की कुंजी है। मजबूत चरित्र निर्माण की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि चरित्र, धन या अन्य सांसारिक उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण है।

****